विश्व न्याय मन्दिर

प्रभुधर्म की संस्थाओं एवं एजेंसियों पर सेवा देना वास्तव में एक अतिबृहत् सौभाग्य है लेकिन वैसा नहीं जिसे प्राप्त करने की व्यक्ति द्वारा कोशिश की जाती है; यह एक ऐसा कर्तव्य और जिम्मेदारी है जिसे निभाने के लिये किसी भी समय उसका आह्वान किया जा सकता है। यह बात अवश्य ही समझ में आती है कि वे सभी लोग जो बहाई प्रशासन में संलग्न हैं, स्वाभाविक रूप से अनुभव करेंगे कि किसी भी रूप में, उन्हें एक ऐसे ढाँचे का हिस्सा बनने का विलक्षण सम्मान मिला है, जिसे वह माध्यम बनाया गया है जिसके द्वारा प्रभुधर्म की चेतना प्रवाहित होती है। –28 दिसम्बर, 2010

मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO Delhi on 10/11.01. 2023

Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA

वर्ष : 59 अंक 01 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख

जनवरी 2023 बहाई वर्ष : 179

झारखण्ड की गतिविधियाँ

• जमशेदपुर स्थित बहाई केंद्र में राज्य स्तरीय सामाजिक क्रिया से संबंधित रूही पुस्तक 13 के सामूहिक अध्ययन का आयोजन झारखण्ड की प्रशिक्षण संस्थान द्वारा 15 से 18 दिसंबर 2022 तक किया गया। इस बैठक में राष्ट्रीय सभा के डेस्क फॉर सोशल एक्शन के एक सदस्य मुख्य रूप शामिल हुए, जिन्होंने पुस्तक में छिपी अवधारणाओं को पहचानने तथा सामाजिक क्रिया को समझने में प्रतिभागियों की सहायता की। उक्त बैठक में राज्य के लगभग 7 क्लस्टरों से कुल 40 प्रतिभागी शामिल हुए, जिसमें क्लस्टर/राज्य स्तरीय संयोजक एवं सहयोगी, सहायक मंडल सदस्य, परिषद एवं प्रशिक्षण संस्थान, अनुभवी शिक्षक, अनुप्रेरक, ट्यूटर इत्यादि मित्र शामिल थे। पुस्तक का अध्ययन दो ग्रुप बनाकर किया गया। इस चार दिवसीय अध्ययन अभियान के दौरान प्रतिभागियों ने इस पुस्तक से कई अन्तर्दृष्टियों को प्राप्त किया, जिसमें शामिल थे – व्यक्तिगत चरित्र और संबंधों में परिवर्तन, सामाजिक क्रिया का प्रारम्भिक स्पंदन, सामूहिक परिवर्तन, व्यक्ति, समुदाय, संस्थाओं और संस्कृति के स्तर पर परिवर्तन, कला और शिक्षा के क्षेत्र में परिवर्तन इत्यादि कई प्रकार के अन्य और अवधारणाओं के संबंधों में अन्त–दृष्टियां प्राप्त हुईं। एक जो महत्वपूर्ण सीख थी कि सामाजिक क्रिया वह है जो ईश्वरीय शिक्षा के अनुरूप हो चाहे उसकी प्रकृति छोटी ही क्यों न हो। इन सभी अवधारणाओं के संदर्भ में अध्ययन के दौरान अपने–अपने क्षेत्रों के अनुभवों को साझा किया गया और यह महसूस किया गया कि अनजाने में हम कहीं न कहीं सामाजिक क्रिया कर रहे थे लेकिन हमें उसकी पहचान नहीं थी। अध्ययन के दौरान ऐसी कई कहानियों को खोजा गया। इस दौरान मित्रों ने प्रेरणादायक गीत–संगीत का भी खूब आनंद लिया। चार दिवसीय अध्ययन अभियान से प्राप्त समझ के आधार पर जमशेदपुर, आसनबनी, पटमदा के सघन गतिविधि वाले समुदायों में सामाजिक क्रिया को पहचानने का प्रयास किया गया। जहाँ जमशेदपुर के कदमा और बिरसा–नगर समुदाय में सामुदायिक बैठक का आयोजन किया गया, तो वहीं आसनबनी और पटमदा में स्थानीय



सामाजिक क्रिया से संबंधित अध्ययन अभियान के प्रतिभागी

शिक्षक, अनुप्रेरक, ट्यूटर तथा संयोजकों के साथ परामर्श लेखनी के आधार पर करके उनके गाँव में हो रही सामाजिक क्रिया को पहचानने का प्रयास किया गया। उक्त बैठकों में युवाओं की भौतिक शिक्षा एवं करियर पर भी मित्रों के साथ परामर्श किया गया।

• झारखण्ड के विभिन्न क्लस्टरों में सामुदायिक बैठकों का आयोजन 4 से 7 नवम्बर 2022 तक आध्यात्मिक वातावरण में किया

शेष पृष्ठ 4 पर

इस अंक में

बिहार में आयोजित गतिविधियाँ

• ईश्वर के गुणगान का उदय स्थल (मशरिकुल–अज़्कार) ईश्वर के नये युग की शिक्षाओं का प्रतीक होता है और इनका विशेष प्रभाव स्थानीय जनसमुदायों की एकता और उनके कल्याण पर पड़ता है। ये बातें महाद्वीपीय सलाहकार ने बिहारशरीफ के हरगावॉ में स्थित स्थानीय बहाई उपासना गृह स्थल पर उपस्थित बहाई मित्रों की एक सामुदायिक प्रार्थना सभा में कही।



बिहारशरीफ में आयोजित बैठक में भाग लेने वाले मित्रगण

बिहारशरीफ क्लस्टर की हरगावॉ स्थानीय आध्यात्मिक सभा द्वारा 20 दिसम्बर, 2022 को उपासना गृह निर्माण स्थल पर भक्तिमय माहौल में आयोजित इस सामुदायिक प्रार्थना सभा में महाद्वीपीय सलाहकार ने मित्रों को स्थानीय बहाई उपासना गृह के महत्व पर बल देते हुए कहा कि विश्व न्याय मंदिर ने बिहारशरीफ़ क्लस्टर को वर्ष 2012 के रिज़वान संदेश के माध्यम से यह अनुपम उपहार भेंट किया है। यह उपासना गृह न केवल बिहारशरीफ़ क्लस्टर के लिए बल्कि बिहार या यूँ कहें तो यह भारत के लिए एक विशिष्ट है क्योंकि अब तक विश्वभर में भारत ही केवल ऐसा देश है जहाँ महाद्वीपीय तथा स्थानीय स्तर का उपासना गृह होगा। उन्होंने उपस्थित स्थानीय मित्रों से कहा कि एक ओर जहाँ यह मशरिकुल–अज़्कार भौतिक रूप से भव्य होगा तो दूसरी ओर यह स्थानीय जनसमूहों को दिव्य ईश्वरीय अनुकंपाओं को भी सम्प्रेषित करेगा। इसलिए स्थानीय मित्र स्वयं को आध्यात्मिक रूप से तैयार और सशक्त करें तथा सेवा और आराधना के अविभाज्य पथ पर अग्रसर होकर उपासना गृह के निर्माण कार्य में सहृदय शामिल होने योग्य हो सकें।

इस विशेष अवसर पर बहाई विश्व केन्द्र स्थित टेम्पल एण्ड साइट्स के निदेशक ने कहा कि हमें स्थानीय समुदायों में इस उपासना गृह के प्रति स्वामित्व की भावना को बढ़ाना होगा, जिससे कि वे इस परियोजना को पूरा करने में अपना सहयोग और समर्थन दे सकें। साथ ही, निर्माण कार्य पूर्ण होने के उपरांत इससे जुड़कर ईश्वरीय आशीषों का लाभ उठा सकें। उन्होंने बताया कि निर्माण कार्य में योगदान देने के लिए स्वैच्छिक सेवा के लिए मित्रों को प्रोत्साहित करना चाहिए तथा सतर्कतापूर्ण ढ़ंग से कुछ खास ज्ञान एवं कौशलयुक्त मित्रों को चयनित कर उन्हें उपासना गृह एवं संबंधित भवनों के रख–रखाव के लिए तैयार करना चाहिए।

महाद्वीपीय सलाहकार ने इस अवसर पर बताया कि विश्व न्याय मंदिर द्वारा भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को प्रेषित पत्र के आलोक में राज्य बहाई परिषद्, बिहार ने एक पाँच सदस्यीय सामुदायिक संपर्क दल का गठन किया है जो स्थानीय उपासना गृह निर्माण कार्यालय, स्थानीय समुदाय तथा स्थानीय निकायों एवं प्रशासन के मध्य कड़ी के रूप में जुड़कर उपासना गृह के निर्माण कार्य के सफल निष्पादन में सहयोग करेगा।

इस सामुदायिक प्रार्थना सभा में उपासना गृह निर्माण कार्य में संलग्न अनेक मित्रों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की। साथ ही, सहायक मंडल सदस्य, परिषद् सचिव के अतिरिक्त स्थानीय आध्यात्मिक सभा, हरगावॉ एवं तेतरावॉ के सदस्य उपस्थित थे।

शेष पृष्ठ 3 पर

मध्य प्रदेश में किशोर एवं बाल मेले का आयोजन

• कनकटपुरा स्थानीय आध्यात्मिक सभा की ओर से बाल मेले का आयोजन किया गया, मेले में उपस्थित सभी लोगो का स्वागत किया गया। साथ ही, गणमान्य लोग जैसे सरपंच एवं अतिथियों का माला डालकर अतिथि सत्कार किया गया। सहायक मण्डल सदस्य के द्वारा कार्यक्रम को संचालित किया गया।



कनकटपुरा में आयोजित मेले में भाग लेने वाले प्रतिभागी

कार्यक्रम में किशोरों ने जो सीखा उसे प्रस्तुत किया। किशोरों ने अपनी सीख को चार्ट पर चित्र बनाकर सभी के सामने प्रस्तुत किया।

किशोर मेले में किशोरों ने अपने दलो में जो सीखा था जैसे नृत्य, गीत, नाटक, स्वयं के भाषण के माध्यम से उन्होंने अपनी सीख व अनुभवों को सभी के साथ बांटा और अनुप्रेरकों ने शिक्षा एवं माता–पिता का सम्मान आदि विषय से संबंधित अपने अनुभवों को साझा किया।



ग्वालियर समुदाय में आयोजित मेले का दृश्य

किशोरों द्वारा वर्तमान परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुये, किशोर दल का प्रभाव, वृक्षारोपण, मोबाइल का सही उपयोग, स्कूली जीवन एवं माता–पिता का सम्मान करना जैसे विषयों पर नाटक और गीत प्रस्तुत किये।

साथ ही, क्लस्टर संयोजक, क्षेत्रीय संयोजक तथा फैसिलिटेटर ने किशोर कार्यक्रम एवं प्रार्थना सभाएँ तथा नैतिक शिक्षा पर अपने अनुभवों को बांटा एवं क्लस्टर सयोजक ने किशोरों को वास्तविकता के बारे में बताया। इस कार्यक्रम को लोगों ने बहुत अच्छे से समझा और उन्होंने अपनी सहभागिता भी दर्शायी।

इस किशोर मेले ने लोगों के अन्दर शिक्षा एवं अपने बच्चों के प्रति तथा नैतिकता के प्रति एक नई उमंग जागृत कर दी।

इस कार्यक्रम को सभी बहाई मित्रों ने इतना सुन्दर बना दिया कि लोगों को बहुत आनंद का अनुभव हुआ। सभी मित्रों ने इस कार्यक्रम को सफल बनाने और किशोर मेला के महत्व को लोगों तक पहुँचाने में लिये बहुत ही सघन प्रयास किया। इस कार्यक्रम में लगभग 350–400 लोगों ने भाग लिया, जिसमें 70–80 किशोर, 150 बच्चे तथा 150 वयस्क मित्रगण शामिल हुए।

इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कनकटपुरा स्थानीय आध्यात्मिक सभा ने अपना पूरा योगदान दिया एवं अपना स्वामित्व निभाया।

• ग्वालियर समुदाय में 25

शेष पृष्ठ 3 पर

समाचारचित्र



चंडीगढ़ के श्री गोपाल कौशिक और दिल्ली की सुश्री ममता शर्मा का विवाह स्थानीय आध्यात्मिक सभा दिल्ली के तत्वावधान में बहाई विधिविधान के अनुसार 2 दिसम्बर, 2022 को सम्पन्न हुआ।



मध्य प्रदेश खरगोन के श्री रवि कौशल और कंचनपुर नेपाल की सुश्री ललिता चौधरी का विवाह 13 दिसम्बर, 2022 को स्थानीय आध्यात्मिक सभा के तत्वाधान में बहाई विधिविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ।



महाराष्ट्र के सांगली क्लस्टर में स्थानीय आध्यात्मिक सभा ने कोष संवर्धन हेतु एक बैठक का आयोजन किया। इस बैठक में चर्चा की गई कि किस प्रकार से कोष को बढ़ाया जाए। परामर्श के दौरान कोष यात्रा की योजना बनाई। 13 से 20 दिसम्बर, 2022 तक कोष यात्रा का आयोजन किया गया। परिवारों का भ्रमण किया गया और उनके साथ कोष विषय को साझा किया गया। कुछ प्रार्थनाएं भी की गईं और कोष विषय का अध्ययन भी किया गया। कुछ परिवार पहले पंजीकृत नहीं थे परन्तु जब उन्होंने अध्ययन किया तो वे भी कोष में अपना योगदान देने को तैयार हो गए।

चंडीगढ़ में संविदा दिवस पर लंगर का आयोजन

पंजाब में चंडीगढ़ के रामदरबार में संविदा दिवस को एक उत्सव के रूप में मनाने के लिए 26 नवम्बर, 2022 को एक विशाल लंगर का आयोजन किया गया, जहां बहाई समुदाय ने इस सेवा में भाग लिया। इस लंगर में लगभग चार हजार लोगों को भोजन



चंडीगढ़ में आयोजित लंगर का दृश्य

कराया गया। इस लंगर का आयोजन एक व्यक्तिगत बहाई द्वारा लगातार दूसरे वर्ष किया गया है।

इस लंगर के लिए एक बड़े क्षेत्र में तम्बू लगाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में बहाउल्लाह के उद्धरणों को दर्शाया गया। लोगों को पुस्तक और प्रभुधर्म की जानकारी देने के लिए बहाई पुस्तकों का एक स्टॉल भी लगाया गया। इस अवसर पर रामदरबार की पार्षद सुश्री नेहा को भी आमंत्रित किया गया। उन्होंने लोगों के साथ क्षेत्र का दौरा किया और लंगर चखा। वे यह सब देखकर काफी प्रसन्न थीं। साथ ही, उन्होंने बहाई समुदाय की किसी भी प्रकार से सहायता करने का आश्वासन भी दिया। पूरा वातावरण बहाई प्रार्थनाओं, निगूढ़ वचन और बहाई गीतों के सुमधुर संगीत से सराबोर था। इस अवसर का लाभ उठाते हुए लोगों के बीच बहाई धर्म की व्यापक रूप से उद्घोषणा की गई।

मध्य प्रदेश में किशोर एवं बाल मेले का आयोजन

पृष्ठ 2 का शेष

दिसंबर को बाल मेले का आयोजन किया गया, जिसमें अभिभावक एवं बच्चों को मिलाकर करीब 100 लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत उन प्रार्थनाओ से की गयी जो बच्चो द्वारा बाल कक्षाओं के माध्यम से सीखी गयी थी। बच्चों ने अपनी चित्रकला भी समुदाय के सामने प्रस्तुत की जिनमें कई महत्वपूर्ण सीख एवं अवधारणाएँ छुपी हुई थीं। बच्चों द्वारा कुछ गीत भी तैयार किए गये, जिसे देखकर उनके माता–पिता बहुत प्रसन्न हुए तथा सभी ने अपने बच्चो को कक्षा में भेजने की अनुमति दी। इसके बाद सभी बच्चों को एक छोटा सा पुरस्कार साथ ही सभी को अल्पाहार भी विवरण किया गया। इस कार्यक्रम में आगे की योजना पर भी चर्चा की गई, जिसमें आने वाले समय में उनके साथ रूही पुस्तक–5 का अध्ययन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में ग्वालियर के मानवसंसाधनों का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ जिसके माध्यम से कार्यक्रम को प्रभावशाली बनाया गया। सिंधिया नगर, बारहा बिघा, विनय नगर से आये हुए स्थानीय मानवसंसाधनों का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम के अन्त में एक बहाई मित्र द्वारा, कार्यक्रम में पधारे सभी अतिथिगणों का आभार व्यक्त किया और एक प्रार्थना के माध्यम से कार्यक्रम का समापन किया गया।

निवेदन

प्रिय मित्रों, अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनायें फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें बहाई समाचार में प्रकाशित कर सकें। *धन्यवाद !*

बिहार में आयोजित गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

विभिन्न निकटवर्ती समुदायों के बहाई मित्र, युवा, किशोर, बच्चे एवं महिलाएँ भी इस अवसर पर उपस्थित रहे।

• बिहारशरीफ़ क्लस्टर के कमल स्कूल, सिपाह में सहायक मंडल सदस्य के सहायकों के लिए दो दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 9 क्लस्टरों से 48 सहायकों ने पूरी तन्मयता के साथ अपनी प्रतिभागिता सुनिश्चित की।

उक्त उन्मुखीकरण कार्यक्रम



उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागी

के दौरान उपस्थित सहायकों के साथ बहाई धर्म, ईश्वरीय अवतार की शृंखलाओं, ईश्वरीय अवतार के प्रकटीकरण का उद्देश्य, बहाई प्रशासनिक व्यवस्था पर विशेष रूप से चर्चा की गई तथा विश्व न्याय मंदिर के 30 दिसम्बर, 2021 एवं रिज़वान संदेश 2022 के कुछ चिन्हित अंशों का अध्ययन किया गया। साथ ही *'सलाहकारों की संस्था'* नामक पुस्तक के कुछ भागों का भी अध्ययन किया गया।



मंझौल क्लस्टर में आयोजित समीक्षा बैठक

उपस्थित सहायकों को एक वर्ष के लिए नियुक्ति–पत्र भी दिया गया। कार्यक्रम में समागत मित्र काफी उत्साहित दिख रहे थे।

इसके अतिरिक्त, 7 नवम्बर 2022 को ख़गड़िया क्लस्टर के बछौता एवं बड़ी कोठियॉं समुदाय में 13–13 सहायकों के साथ; 16 नवम्बर 2022 को बहाई केन्द्र, अलौली में 36 सहायकों के साथ; 19 नवम्बर 2022 को मसौढ़ी क्लस्टर के हसनपुरा समुदाय में 32 सहायकों के साथ तथा 20 नवम्बर 2022 को बहाई केन्द्र, फतुहा में 21 सहायकों के साथ उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

• 13 नवम्बर 2022 को मंझौल क्लस्टर के गढखौली समुदाय में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न समुदाय से लगभग 50 मित्रों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरूआत् भक्तिमय वातावरण में प्रार्थना एवं पवित्र लेखों के पाठ से की गई, तत्पश्चात् गत चक्रों की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में मित्रों ने बताया कि वर्तमान में यहाँ अध्ययनवृत कक्षा की संख्या–2, किशोर समूह कक्षा की संख्या–9, बहाई बाल कक्षा की संख्या–14 एवं नियमित प्रार्थना सभा की संख्या–122 है, जिसमें क्रमशः 18, 72, 112 एवं 712 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। बैठक में उपस्थित संयोजक एवं विकास सहयोगियों ने अपनी–अपनी गतिविधियों से संबंधित सीख, अनुभव एवं चुनौतियों को भी साझा किया तथा प्रार्थना के उद्देश्य एवं महत्व पर विशेष रूप से चर्चा की गई। जिज्ञासु मित्रों को बहाई धर्म, बहाई शिक्षा एवं युगावतार के बारे में विशेष रूप से जानकारी दी गई।

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204 Delhi P.S.O.
Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2021-22-23

गोरखपुर में रिफ्रेशर बैठक का आयोजन

उत्तर प्रदेश में चारगावां की स्थानीय आध्यात्मिक सभा और कोर टीम ने संयुक्त रूप से दो दिवसीय रिफ्रेशर बैठक का आयोजन गोरखपुर के बहाई भवन में 17 और 18 दिसम्बर, 2022 को किया। इस बैठक में लगभग 45 से अधिक मित्रों ने भाग लिया।

बैठक के पहले दिन प्रपत्रों का अध्ययन किया और इस अध्ययन में सभी टीचर, एनिमेटर, शिक्षक ने अपने–अपने अनुभव साझा किए और यह उम्मीद जताई कि उनकी गतिविधियाँ जो बंद हो गई किस तरह से वे गतिविधियों की महत्ता को समझें। वे एक–दूसरे से सीख पा रहे थे कि कैसे अन्य लोग जिनकी गतिविधियाँ चल रही हैं वे उनको नियमित रूप से कैसे चला रहे हैं।

दूसरे दिन आचरण की शुद्धता, पवित्र और पावन जीवन तथा पूर्वाग्रह का त्याग जैसे कुछ विषयों पर प्रपत्र और लेख पढ़े। इन विषयों पर गहन चर्चा करने के बाद मित्र अपनी योजनाओं में शामिल हुए। योजनाओं में इस बार एक अलग तरीका अपनाया गया, जिसमें वहीं



गोरखपुर में आयोजित रिफ्रेशर बैठक के प्रतिभागी

हैं किसी तरह फिर से शुरू हो जाएं। जो गतिविधियाँ वे वहां ले रहे थे कहीं ना कहीं वे गतिविधियाँ उनके हर कार्य में मदद करती थीं, चाहे वो घर का कार्य हो, खेती बाड़ी का कार्य हो, पढ़ाई का कार्य हो, चाहे जो भी, गतिविधियाँ उन्हें कहीं ना कहीं और सचेत बनाती थीं, वे इसको देख पा रहे थे। उन्होंने माना कि जो गतिविधियाँ बंद हो गई हैं उनको फिर से शुरू करना कितना आवश्यक है क्योंकि उनके अपने आसपास के बच्चों का माहौल बिगड़ रहा था, कई और मित्रों में दूरियाँ बढ़ रही थीं, वे ऐसी अनगिनत समस्याएँ देख पा रहे थे। मित्रों के परामर्श के उपरान्त बहुत सारे अनुभव निकल कर सामने आए, बहुत सारे नए–नए तरीके निकल कर आए, बहुत सारे विचार निकल कर आ रहे थे कि के मित्र अपने क्लस्टर की योजना स्वयं ही बना रहे थे और स्वयं ही उसका दायित्व भी ले रहे थे। बाहर के लोग सिर्फ उन योजनाओं को बनाने में उनकी मदद कर रहे थे। इससे पहले, जो कोर टीम थी, वही हमेशा योजना बनाती और मदद करती थी। इस बार वहीं के लोग योजनाओं को तैयार कर रहे थे और खुद ही अपने समुदाय की जिम्मेदारी भी ले रहे थे।

इस बार गोरखपुर ग्रुप ऑफ क्लस्टर के 3 क्लस्टर से लगभग 7 अलग–अलग गांवों से 4 से 6 की संख्या में मित्र शामिल हुए और अब समुदाय के विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया और योजनाओं को मूर्त रूप देने के लिए आपस में परामर्श किया।

झारखण्ड की गतिविधियाँ

पृष्ठ 1 का शेष

गया, जिसमें क्रमशः तमाड़, आसनबनी, ईचागढ़, सिल्ली, पटमदा, मानगो क्लस्टर शामिल हैं। इन विशेष आयोजनों में सलाहकार उपस्थित रहे। 4 नवम्बर को तमाड़ के रायडीह समुदाय में, 5 नवम्बर को आसनबनी के आसनबनी गाँव तथा ईचागढ़ में, 6 नवम्बर को सिल्ली के बांसारुली समुदाय में, तथा 7 नवम्बर को पटमदा के बारूबेड़ा समुदाय में और मानगो में डिमना समुदाय में विशेष सामुदायिक बैठकों का आयोजन आध्यात्मिक तथा उत्साहपूर्वक वातावरण में किया गया। उक्त बैठकों में क्रमशः–42, 36, 56, 44, 38, 24 कुल 230 प्रतिभागी शामिल हुए। बैठकों में स्थानीय आध्यात्मिक सभाओं के सदस्य, बच्चे तथा किशोरों के अभिभावक, युवा, स्थानीय शिक्षक, अनुप्रेरक, सह–शिक्षक, बच्चे तथा किशोर शामिल हुए। मित्रों को रूही पुस्तकों का अध्ययन करने एवं समुदाय के प्रति उत्कंठ सेवा हेतु समर्पित होने हेतु प्रोत्साहित किया गया। महाद्वीपीय सलाहकार ने अपने वचनों से इन विषयों को आकार प्रदान किया। कुछ प्रेरणा–दायक कहानियों एवं भौतिक उदाहरणों एवं पवित्र लेखनी से उपस्थित प्रतिभागियों को समझने में मदद की। उन्होंने जिस विषय पर ज्यादा बल दिया वो है सच्ची सेवा। उन्होंने बताया कि मानवजाति के प्रति सच्ची सेवा का मुख्य स्रोत एक मात्र ईश्वरीय प्रेम तथा आराधना है और प्रत्येक मानव को इसकी गहन समझ होना अति आवश्यक है। बाहरी वातावरण में सेवा एक व्यवसाय का रूप लेती जा रही है और वह क्षण भंगुर होती है जो किन्हीं विशेष उद्देश्यों से की जाती है और जब उद्देश्य की प्राप्ति हो जाती है तो वह सेवा भी समाप्त हो जाती है, जिसका उदाहरण : –



आसनबनी गांव में हुई सामुदायिक बैठक के प्रतिभागी

उक्त बैठकों में बच्चों, किशोरों तथा युवाओं की आध्यात्मिक एवं भौतिक शिक्षा की महत्वता, सामूहिक उपासना का महत्व, ईश्वरीय संदेशवाहक बहाउल्लाह की शिक्षा की नित्यान्त आवश्यकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गंभीरतापूर्वक चर्चा की गयी। इन बैठकों का मूल उद्देश्य था कि समुदाय में स्थानीय मित्रों द्वारा की जा रही बहाई मूल गतिविधियों की स्पष्ट समझ एवं उनके द्वारा संचालित कक्षाओं में बच्चों एवं किशोरों को नियमित भेजने की आवश्यकता पर गहन परामर्श किया गया। साथ ही, युवा माताओं एवं अधिक से अधिक युवा कोरोना महामारी, बाढ़ इत्यादि है। हालाँकि कुछ ऐसे समर्पित लोग भी हैं जिनका उद्देश्य दूसरों से अलग होता है। इसलिए हममें से प्रत्येक को जब हम समुदाय/गाँव की उन्नति के प्रति सोचते हैं तो उसके लिए उठ खड़े होना बहुत जरुरी है। सामुदायिक बैठकों के बाद स्थानीय मित्रों जैसे – शिक्षक, अनुप्रेरक, सह–शिक्षकों के साथ भी बैठक हुई, जिसमें आगामी दो महीनों की योजना तैयार की गई, जिसमें मुख्यतः एक गाँव अथवा समुदाय में कम–से–कम 25 नये मानव संसाधन तैयार करना, साथ ही गहन गतिविधियों की संख्या एवं गुणवत्ता को बढ़ाना शामिल थे।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2021-22-23
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2021-22-23
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110020
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at DPSO Delhi on 10/11.01.2023
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg. New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा श्री मंगलम प्रिंटर्स, एफ–25, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कुमार)